

Digital Lending Compliance Guide

Banking, Finance & Fintech

दस्तावेज़ प्रकार : लाइसेंस / वैधानिक फाइलिंग - तैयार किया गया 15 Oct 2026

यह गाइड बताती है कि यह टूल क्या बनाता है, उसका उपयोग कैसे करें, और किन बातों का ध्यान रखें। टूल का वास्तविक आउटपुट (ड्राफ्ट/रिपोर्ट) टूल पेज पर बनता है।

पृष्ठभूमि

डिजिटल-ऋण आरबीआई (RBI) डिजिटल लेंडिंग दिशानिर्देशों के भीतर होना चाहिए।

इस टूल और आउटपुट का उद्देश्य

यह टूल डिजिटल-लेंडिंग अनुपालन में मार्गदर्शन देता है।

आउटपुट का उपयोग कैसे करें

केएफएस (KFS), एलएसपी (LSP) और डेटा-नियमों सहित डिजिटल-ऋण हेतु उपयोग करें।

यह किसे दिया जाता है

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI); ऋण विनियमित-इकाई द्वारा होना चाहिए।

कैसे जमा करें / दाखिल करें

डिजिटल लेंडिंग दिशानिर्देश अपनाएँ — की-फैक्ट स्टेटमेंट (KFS) दें, एलएसपी व्यवस्था नियंत्रित करें और डेटा-गोपनीयता/प्रवाह मानदंड पूरे करें।

शुल्क और खर्च

कोई अलग शुल्क नहीं; अनुपालक प्रणाली/प्रकटीकरण लागत।

इसकी जाँच किससे कराएँ

फिनटेक/आरबीआई-अनुपालन वकील।

महत्वपूर्ण सावधानियाँ

बिना विनियमित-इकाई डिजिटल-ऋण नियम-विरुद्ध।

साथ के दस्तावेज़

- NBFC Setup Guide
- NBFC Compliance Checklist
- Fair Practices Code Builder
- Co-Lending / Partnership Model
- Fintech Partnership Agreement
- Loan Product Designer

यह एआई-सहायित मार्गदर्शन है। किसी भी बाध्यकारी निर्णय से पहले योग्य पेशेवर से पुष्टि करें। शुल्क, प्राधिकरण और प्रक्रियाएँ राज्य और समय के अनुसार बदलती हैं — अपने राज्य के प्राधिकरण से सत्यापित करें।

